एक नजर में

युवा संसद में जाएंगी पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष आयुषी

वाराणसी : महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ की पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष आयुषी श्रीमाली को 10वें राष्ट्रमंडल युवा संसद में आमंत्रित किया गया है। इस बार राष्ट्रमंडल युवा संसद 24 से 28 नवंबर को नई दिल्ली में होगा। इससे पूर्व राष्ट्रमंडल युवा संसद आइलैंड में हुआ था। इसमें विभिन्न देशों के करीब 50 प्रतिनिधि शामिल होंगे। (जासं)

4192 अभ्यर्थी दौड़े, 365 पास

वाराणसी : सेना भर्ती रैली में शुक्रवार को गाजीपुर के कासिमाबाद तहसील के तथा मीरजापुर के मीरजापुर व चुनार तहसील के 4192 युवाओं ने दौड़ में हिस्सा लिया। दौड़ में 365 युवा ही अगले दौर में प्रवेश कर सके। रणबांकुरे स्टेडियम में आयोजित दौड़ में 7156 युवाओं ने पंजीकरण कराया था। (जासं)

भेल होगा प्लास्टिक मुक्त

वाराणसी : तरना स्थित भेल कार्यालय को प्लास्टिक से मुक्त करने का फैसला इकाई प्रमुख टीएस मुरली ने लिया है। इसे लेकर उन्होंने शुक्रवार को सभी कर्मचारियों को शपथ भी दिलाई। ताकि परिसर पूरी तरह से एकल उपयोग प्लास्टिक मुक्त हो जाए। इस मौके पर टी सौम्या मुरली, हीरा सिंह पांगती, संतोष कुमार आदि मौजूद रहे। (जासं)

उत्तराखंड महोत्सव 10 को

वाराणसी : उत्तराखंड समाज, वाराणसी की ओर से 10 नवंबर को बीएचयू में एक महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। नौ नवंबर को उत्तराखंड के स्थापना दिवस के एक दिन बाद उत्तराखंड महोत्सव बीएचयू के कला संकाय प्रेक्षागृह में दोपहर 3 बजे से होगा। इसके माध्यम से देवभूमि की विविधताओं, कलाओं व प्राकृतिक समृद्धता पर चर्चा होगी। (जासं)

रोजगार मेले में 104 को ऑफर

वाराणसी : क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय में शुक्रवार को रोजगार मेले का आयोजन हुआ। इसमें 754 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जिसमें 104 को नौकरी के लिए ऑफर लेटर मिला। युवाओं का रिसेप्सनिस्ट, हास्पिटिलिटी, हाउसकीपिंक, अभिकर्ता, बीडीएम व तकनीकी पदों पर चयन हुआ। (जासं)

गीतों पर झूमे श्रोता

वाराणसी : बड़ालापुर वीडीए कालोनी स्थित आदर्श सेवा समिति के तत्वावधान में मां भगवती का सातवां देवी जागरण एवं भव्य झांकी का आयोजन किया गया। भंडारे का भी आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि सैयदराजा के विधायक सुशील सिंह ने शुभारंभ किया। भजन गायिका तृप्ति शाक्या ने कभी राम बन के... गीत पर खूब वाहवाही लूटी। संयोजक ब्लक प्रमुख सजल सिंह व रघुबीर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। (जासं)

हनुमान जी का हुआ शृंगार

वाराणसी : पांडेयपुर में शुक्रवार को हनुमान जी के वार्षिक शृंगार के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री व्यापार मंडल पांडेयपुर के तत्वावधान में आयोजित हुआ। भजन के बाद दिल्ली की कृष्ण राधा, शंकर पार्वती, सुदामा, हनुमान की झांकी की प्रस्तुति की गई। (जासं)

आइएससीए के आजीवन सदस्य

वाराणसी : बीएचयू के शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रोफेसर एनबी शुक्ल भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ (आइएससीए) के आजीवन सदस्य बन गये हैं। उन्हें खेल मानव विज्ञान वर्ग में चुना गया है। (जासं)

दिखी छात्राओं की हुनर

वाराणसी : आर्य महिला पीजी कालेज में शुक्रवार को आयोजित हस्त निर्मित डिजाइनर वस्त्रों की प्रदर्शनी में छात्राओं का हुनर देखने को मिला। गृह विज्ञान विभाग के तत्वावधान में आयोजित शुभारंभ प्राचार्या प्रो. रचना दुबे के दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। निर्णायक मंडल में डा. संगीता देवड़िया, डा. अंशु शुक्ला, डा. सुनीता दीक्षित शामिल रही। (जासं)

आशाओं के केंद्र हैं प्रौद्योगिकी संस्थान : रमेश पोखरियाल

आइआइटी-बीएचयू के आठवें दीक्षा समारोह में बोले मानव संसाधन विकास मंत्री, तकनीकी में आगे बढ़ने के साथ अनुसंधान जरूरी

जागरण संवाददाता, वाराणसी : आइआइटी के छात्रों पर अपने माता-पिता की ही नहीं बल्कि देश की उम्मीदें भी टिकी हुई हैं। दुनिया में सुख-शांति का रास्ता भारत से ही होकर गुजरता है जिसका निर्धारण करने में प्रौद्योगिकी संस्थानों की अहम भूमिका है। विकास की स्वर्णिम यात्रा तय करने के लिए तकनीक के क्षेत्र में दक्षता के साथ जनोपयोगी अनुसंधान भी जरूरी है। यह बातें स्वतंत्रता भवन सभागार में शुक्रवार को आयोजित आइआइटी- बीएचयू के आठवें दीक्षा समारोह में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने कही।

मेधावियों को प्रेरित करते हुए कहा कि मेहनत, ईमानदारी और निष्ठा का कोई विकल्प नहीं है। हर छात्र के लिए यह यादगार क्षण है जो उल्लास और उत्साह से भरा हुआ है। याद रखें कि इसी उत्साह के साथ आपको भविष्य की चुनौतियों का सामना करते हुए नए भारत के निर्माण में सहयोग करना है।

ज्ञान-विज्ञान के साथ ही अनुसंधान क्षेत्र में भारत ने हमेशा ही विश्व का नेतृत्व किया है। होनहार युवाओं के दम पर हम फाइव ट्रिलियन डालर इकोनामी का लक्ष्य भी हम हासिल कर लेंगे। नई शिक्षा नीति पर कहा कि इसका मसौदा परिणाम आधारित है जो 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को साकार करेगा। इसमें वर्तमान जरूरत के हिसाब से जहां तकनीकि शिक्षा का समावेश है वहीं पुरातन ज्ञान परंपरा के प्रसार का मार्ग भी प्रशस्त किया गया है। रोजगार सृजन के क्रम में स्टार्ट-अप, स्किल इंडिया, व्यवहारिक ज्ञान, अनुसंधान, पर्यावरण संरक्षण आदि को भी शामिल किया गया है। इससे पूर्व एमएचआरडी मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक व संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने मेधावियों को उपाधि, पदक व पुरस्कारों से विभूषित किया। इलेक्ट्रानिक इंजीनियरिंग के छात्र विभोर बंसल ने सर्वाधिक दस स्वर्ण व एक रजत पदक सहित तीन पुरस्कार हासिल कर अपनी मेधा का परचम लहराया।

वहीं केमिकल इंजीनियरिंग की छात्रा एलेश्वरपु श्रावणि को छह स्वर्ण पदक सहित दो पुरस्कार प्रदान किए गए। पहली बार शुरू 'राष्ट्रपति पदक' पर बीटेक (कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग) की छात्रा श्रुति राजलक्ष्मी ने कब्जा जमाया तो वहीं 'निदेशक पदक' धातुकीय इंजीनियरिंग विभाग के साई पवन एसएन ने हासिल किया।

समारोह में संस्थान के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 1282 मेधावी छात्रों को उपाधि प्रदान की गई। इनके 754 बीटेक, 197 आईडीडी/आईएमडी, 252 एमटेक/एमफार्मा और 79 शोध छात्र शामिल रहे। इसके अलावा कुल 54 स्नातकों को विभिन्न श्रेणियों में 81 पदक 17 पुरस्कार प्रदान किये गए। इससे पूर्व निदेशक प्रो. पीके जैन ने वार्षिक रिपोर्ट पेश की। संचालन संस्थान के कुलसचिव डा. एसपी माथुर व अनुसंधान एवं विकास के अधिष्ठाता प्रो. राजीव प्रकाश ने किया। नगर प्रवास के दौरान एमएचआरडी मंत्री ने बाबा विश्वनाथ दरबार में शीश नवाया और दर्शन-पूजन भी किया।

इन्हें मिला एक से अधिक मेडल : **संगणक** विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की आयुषी जैन व यांत्रिक अभियांत्रिक विभाग के मलय सागर को चार स्वर्ण और एक पुरस्कार, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के अक्षांश चंद्रवंशी को चार स्वर्ण और दो पुरस्कार, जानपद अभियांत्रिकी विभाग के जितेंद्र को दो स्वर्ण और दो पुरस्कार, खनन अभियांत्रिकी विभाग के धनुषमन्थ येनुगु को तीन स्वर्ण, फार्मास्यूटिकल अभियांत्रिकी विभाग के देवराज गुर्जर को दो स्वर्ण और एक पुरस्कार मिला। वहीं सिविल विभाग के सक्षम जैन, यांत्रिक अभियांत्रिक विभाग के सागर श्रीवास्तव और गुलशन वर्मा को दो-दो स्वर्ण पदक मिले।

तीन परियोजनाओं की रखी आधारशिला : दीक्षा समारोह के बाद केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने जिमखाना मैदान में संस्थान की तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इनमें इनडोर खेल सुविधाओं के लिए 'स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर', 'धनराजगिरि छात्रावास-द्वितीय' व संकाय सदस्यों एवं अधिकारियों के आवासीय सुविधा के लिए 'फैकल्टी अपार्टमेंट' शामिल हैं।

बीएचयू स्थित स्वतंत्रता भवन सभागार में आइआइटी-बीएचयू के आठवें दीक्षा समारोह में उपस्थित विद्यार्थी ● जागरण

समारोह को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री डा. रमेश पोखरियाल ● जागरण

आयोजन

- विभिन्न पाठ्यक्रमों के 1282 मेधावियों को मिली उपाधि, तीन परियोजनाओं का शिलान्यास
- विभोर बंसल को सर्वाधिक 11 व एलेश्वरपु श्रावणि को मिले छह पदक

"केमिकल इंजीनियरिंग से बीटेक के बाद बेंगलुरु में बतौर डाटा एनालिस्ट कार्यरत हूं। फिलहाल जॉब को इंज्वाय कर रही हूं लेकिन शिक्षण क्षेत्र में आना मेरी प्राथमिकता है।
– **एलेश्वरपु श्रावणि, बीटेक**

"माइक्रोसाफ्ट बेंगलुरु में साफ्टवेयर इंजीनियर हूं। इसी फील्ड में आगे बढ़ना है। नॉलेज की कोई सीमा नहीं होती। पढ़ाई के साथ छात्र व्यक्तित्व विकास पर शुरू से ही ध्यान दें।
– **विभोर बंसल, बीटेक**

"बनारस के ही किसान परिवार से ताल्लुक रखता हूं। मंदिर से निकलने वाले 'फ्लोरल वेस्ट' को बायोफ्यूल में कन्वर्ट करने पर काम कर रहा हूं।
–**वीरेंद्र सिंह, एमटेक**

समाज अथवा देश में परिवर्तन लाने के लिए अध्यापन सबसे बेहतर माध्यम है। इसलिए मैंने अपने लिए यही राह चुनी है ताकि समाज निर्माण में कुछ योगदान दे सकूं।
– **नीरज शर्मा, एमटेक**

इंडियन ऑयल कार्पोरेशन में रिसर्च आफीसर के पद पर कार्यरत हूं। एनर्जी फील्ड में ही आगे चलकर रिसर्च करने का इरादा है।
– **रंजीत आर, एमटेक**

बहुत ही अच्छा लग रहा है। फिलहाल मैं गुड़गांव में बतौर जॉब कर रही हूं और आगे इसी क्षेत्र में बेहतर मुकाम हासिल करना लक्ष्य है।
– **बिनीता जोशी, एमटेक**

प्राइवेट जॉब करने की बजाय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा हूं। भविष्य में सरकारी जॉब करने का ही इरादा है। मुझे पूरी उम्मीद है कि हमे सरकारी जॉब मिलेगा।
– **सक्षम जैन, एमटेक**

बेंगलुरु में टेस्ट इंजीनियर के तौर पर काम कर रहा हूं। अभी बहुत कुछ सीखना है। मौका मिला तो अध्यापन क्षेत्र में आगे बढ़ूंगा।
– **आदित्य कुमार, एमटेक**

मल्टी नेशनल कंपनी में हार्डवेयर इंजीनियर के तौर पर काम कर रहा हूं। रिसर्च फील्ड में ही आगे काम करने का इरादा है।
– **चंदन कुमार बेहेरा, एमटेक**

कक्षा में जो कुछ भी पढ़ाया जाता है, वह छात्र के लिए पर्याप्त होता है। जरूरत बस उसे एक बार दोहराने की होती है। जो भी ऐसा करता है सफता जरूर पाता है।
– **आयशा सिंह, एमटेक**

दिल्ली में रहकर सिविल सर्विसेज की तैयारी कर रही हूं। कानून-व्यवस्था को दुरूस्त रखने के लिए आइआइटी के युवाओं को इस फील्ड की ओर भी रूख करना चाहिए।
– **शर्मिष्ठा सिंह, बीटेक**

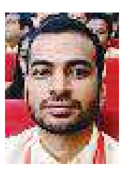

मुंबई का होने के नाते शुरू में यहां कुछ दिक्कत हुई। आइआइटी-बीएचयू के साथ ही बनारस जैसे शहर ने हम जैसे छात्रों को बहुत कुछ सिखला दिया है।
– **शेख मो. जईम, बीटेक**

आइआइटी-बीएचयू में इसी वर्ष कैंपस प्लेसमेंट मिला था लेकिन उसे छोड़ दिया। अभी दिल्ली में रहकर आईएएस की तैयारी कर रहा हूं।
– **जितेंद्र चौधरी, बीटेक**

इंजीनियरिंग के क्षेत्र में ही करियर बनाना है। अध्यापन क्षेत्र में यदि बेहतर अवसर मिला तो जरूर कोशिश करूंगा।"
– **सागर श्रीवास्तव, एमटेक**

स्वतंत्रता भवन सभागार में आइआइटी-बीएचयू के आठवें दीक्षा समारोह में छात्र विभोर बंसल को मेडल वितरण करते केंद्रीय मंत्री डा. रमेश पोखरियाल ● जागरण

"– आइआइटी संस्थान में दाखिले के समय पहले से कोई धारणा न बनाएं। बहुत सारी फील्ड हैं, ट्राई करें और क्षमता के हिसाब से लक्ष्य निर्धारित करें। ढेरों सरकारी योजनाओं को केंद्र में रखकर बनाई जा रही हैं। वहीं स्टार्ट-अप कल्चर को बढ़ावा देकर सरकार उन्हें उद्यमशील बना रही है, जो राष्ट्र निर्माण के लिए जरूरी भी है।
– **श्रुति राजलक्ष्मी, राष्ट्रपति पदक**

"युवा पढ़ाई तो करें लेकिन सिर्फ पढ़ाई के ही चक्कर में उलझ कर न रह जाएं। आइआइटी आपको कुछ भी करने का मौका देता है। पढ़ाई के अलावा व्यक्तित्व विकास व अपनी रुचि के क्षेत्र में आगे बढ़ें। अमूमन आइआइटी बड़े शहरों में होते हैं। वहीं बनारस जैसे प्राचीन जीवंत शहर में इसका होना अलग ही आकर्षण है।
– **साई पवन एसएन, निदेशक पदक**

महात्मा गांधी के आदर्शों पर चलकर करना है देश का विकास

जागरण संवाददाता, वाराणसी : बीएचयू स्थित केंद्रीय विद्यालय में मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही एक भारत-श्रेष्ठ भारत, ध्रुव परियोजना, एक बच्चा-एक पौधा कार्यक्रम और नो प्लास्टिक यूज जैसे विषयों पर विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने बच्चों को बताया कि हमें महात्मा गांधी के आदर्शों सत्य व अहिंसा के मार्ग पर चलकर अपने देश का विकास करना है। इसके साथ ही उन्होंने परीक्षा की तैयारी संबंधी ट्रिक्स भी समझाए व विद्यालय में पौधारोपण भी किया। इस दौरान मंत्री ने डीएवी पीजी कालेज के अर्थशास्त्र विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. अनूप कुमार मिश्र की पुस्तक 'मोदी, डायस्पोरा एंड डेवलपमेंट' का विमोचन किया। इससे पहले केंद्रीय विद्यालय संगठन वाराणसी संभाग के उपायुक्त डि. मणिवण्णन, सहायक आयुक्त वि. शिवाजी सहायक आयुक्त ए के गौतम, प्राचार्य दिवाकर सिंह एवं केंद्रीय विद्यालय संगठन वाराणसी संभाग के विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक और विद्यार्थियों ने मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल का स्वागत किया।

छात्रगुटों में मारपीट चार गिरफ्तार

जासं, वाराणसी : महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में वर्चस्व को लेकर छात्रों की गुटबाजी चरम पर है। परिसर में शुक्रवार को छात्रगुटों में दो राउंड मारपीट हो गई। इस दौरान जमकर लात-घूसे चले। पुलिस ने मौके पर मारपीट करने वाले दोनों गुटों के चार छात्रों को गिरफ्तार कर लिया। संभावित छात्रसंघ चुनाव को देखते हुए परिसर स्थित केंद्रीय पुस्तकालय के सामने शिव शंकर, दीपक भारती, विशाल कुशवाहा प्रचार कर रहे थे। इस बीच छात्रों का दूसरा गुट भी पहुंच गया और दोनों के बीच झड़प हो गई। देखते ही देखते दूसरे गुट के छात्रों ने प्रचार कर रहे छात्रों को पीट कर भाग खड़े हुए। इससे आक्रोशित छात्र दूसरे गुटों के छात्रों की तलाश में जुट गए। दोपहर करीब दो बजे दूसरे गुट के छात्र समाज कार्य के सामने खड़े मिल गए।

प्रदूषण फैलाने पर नोटिस

जागरण संवाददाता, वाराणसी : प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने कहा है कि बीएचयू प्रदूषण फैला रहा है। इसके कारण काशी की वायु गुणवत्ता बेहद खराब हो गई है। इसे लेकर बोर्ड ने बीएचयू प्रशासन को नोटिस जारी किया है। कहा गया है कि अगर नोटिस का जवाब नहीं मिला तो जुर्माना की भी कार्रवाई की जाएगी। वहीं बोर्ड ने कैंसर निर्माण के दौरान फैल रहे प्रदूषण के मामले में भी बीएचयू पर ही जुर्माना लगाने पर सवाल उठ रहे हैं।

बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी कालिका सिंह ने बताया कि शुक्रवार को निरीक्षण के समय पाया गया कि नरिया से कैंसर अस्पताल को जाने वाली सड़क पर बीएचयू की ओर से सालिड वेस्ट यानी कूड़ा फेंका जा रहा है। यही नहीं आरोप है कि कूड़े को भी जलाया जा रहा है। इसके कारण पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। यह भी आरोप लगाया कि ऐसे ही मामले में 16 अप्रैल को भी नोटिस जारी किया गया था, बावजूद इसके सालिड वेस्ट का निस्तारण का उचित प्रबंध नहीं किया गया। ऐसे में बीएचयू प्रशासन ने कारण बताओ का जवाब नहीं दिया तो नोटिस की पुष्टि कर दी जाएगी।

साथ ही पर्यावरण की क्षतिपूर्ति आरोपित कर दिया जाएगा। इसके अलावा टाटा कैंसर अस्पताल निर्माण के तहत बिल्डिंग मैटेरियल गेट के बाहर खुले में रखा जा रहा है। इसके कारण पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है। इस संबंध में बोर्ड ने बीएचयू के लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता पर 50 हजार का जुर्माना लगाया है। आरोप है कि अस्पताल के निर्माण में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानकों की अनदेखी की जा रही है।

ओएमआर शीट पर हुई लर्निंग आउटकम परीक्षा

जासं, वाराणसी : परिषदीय विद्यालयों में बच्चों के सीखने व समझने का आकलन करने के लिए (लर्निंग आउटकम) की परीक्षा शुक्रवार को प्रतियोगी परीक्षाओं के तर्ज पर हुई। नौनिहालों ने सवालों का जवाब ओएमआर शीट पर दिया। परिणाम 25 नवंबर तक प्रेरणा पोर्टल पर अपलोड होगा।

परीक्षा में बच्चों के अंक पर प्रदेश स्तर पर विद्यालय की ग्रेडिंग तय की जाएगी। परीक्षा में कक्षा पांच से आठ तक के 70991 बच्चे पंजीकृत थे। इसमें से 8458 बच्चे गैरहाजिर रहे। रिकार्ड 88.08 फीसद बच्चों की उपस्थिति रही। कक्षा पांच में हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान तथा कक्षा छह, सात व आठ में हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान व सामाजिक विज्ञान विषय की परीक्षाएं हुईं। परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए।

शिएट इंजीनियरिंग कालेज में शिक्षकों एवं विद्यार्थी को दिलाई जा रही शपथ ● जागरण

सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की दिलाई शपथ

जासं, वाराणसी : बाबतपुर स्थित शिएट इंजीनियरिंग कालेज में विद्यार्थी, शिक्षक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों को असेंबली क्षेत्र में एकत्रित किया गया। साथ ही 17 नवंबर तक आने वाली सुप्रीम कोर्ट द्वारा अयोध्या मंदिर प्रकरण के फैसले के बाद सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर चेयरमैन वीरेंद्र सिंह, निदेशक डा. कुलभूषण गुप्ता, डा. अशोक यादव, डा. संतोष उपाध्याय, डा. बचाऊ सिंह, डा. लालजी सिंह आदि मौजूद थे।

नियुक्ति प्रकरण में केंद्रीय मंत्री को सौंपा ज्ञापन

जासं, वाराणसी : बीएचयू स्थित संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय के साहित्य विभाग में गत पांच अक्टूबर को हुई नियुक्ति के विरोध में वीसी आवास के सामने गुरुवार से छात्र धरनारत हैं। वहीं इस मामले में कुछ छात्रों ने शुक्रवार को स्वतंत्रता भवन सभागार में आइआइटी-बीएचयू के दीक्षा समारोह में पहुंचे एमएचआरडी मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक को पत्रक दिया। इस दौरान वीसी आवास के सामने छात्र विवि प्रशासन के खिलाफ धरने के दूसरे दिन भी नारेबाजी करते रहे। छात्रों का आरोप है कि साहित्य विभाग में न सिर्फ व्यापक स्तर पर धांधली हुई है, बल्कि महामना के आदर्शों की भी अवहेलना की गई। वहीं पीआरओ डा. राजेश सिंह ने बताया कि नियुक्ति में पूरी तरह पारदर्शिता बरती गई है। सारे आरोप बेबुनियाद हैं।

खेलकूद | करिश्मा तीन व नेहा दो स्पधाओं में रहीं प्रथम, काशी विद्यापीठ की अंतर महाविद्यालय एथलेटिक प्रतियोगिता

जितेंद्र, मनोज और राम मोहन को दोहरा खिताब

मैदान से

जासं, हरहुआ : जितेंद्र कुमार, मनोज कुमार पटेल और राममोहन सैनी ने शुक्रवार को काशी विद्यापीठ की अंतर महाविद्यालय एथलेटिक प्रतियोगिता में क्रमशः 100 व 200 मीटर दौड़ में, 800 और 1500 मीटर दौड़ में तथा लंबी कूद और त्रिकूद में पहला स्थान हासिल किया। वहीं महिला वर्ग में करिश्मा सिंह 200 व 400 मीटर दौड़ तथा 100 मीटर बाधा दौड़ में अव्वल रही।

नेहा पटेल पांच हजार मीटर व 10 हजार मीटर दौड़ में प्रथम रहीं। अंकों के आधार पर मां खंडवारी महाविद्यालय चंदौली विजेता तथा सिएट गहनी आयर उप विजेता रहा। सीएट कालेज, गहनी, आयर के प्रांगण में आयोजित दो दिवसीय प्रतियोगिता के अंतिम दिन पुरुष वर्ग के 110 मीटर बाधा दौड़ में मो. शाहिल, 400 मीटर दौड़ में विश्वजीत यादव, 400 मीटर बाधा दौड़ में अवधेश कुमार मौर्या, ,10 हजार मीटर दौड़ में संदीप यादव, ऊंची कूद में राहुल बाबू, हाफ मैराथन में रमेश पाल तथा पांच हजार मीटर पद चाल में कमलेश यादव, जेवलिन थ्रो में आकाश, शाट पुट में अभिषेक सिंह, डिस्कस थ्रो में आनंद कुमार और हैमर थ्रो में मुर्शिद जमाल ने पहला स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग के 100 मीटर दौड़ में श्रेया सिंह, 800 मीटर दौड़ में तनुजा, 1500 मीटर दौड़ में वंदना, पांच हजार मीटर पद चाल में प्रियंका पटेल, जेवलिन थ्रो में सविता, डिस्कस थ्रो में सविता राजभर, हैमर थ्रो में च्योति राय, शाट पुट में शांभवी राय, ऊंची कूद में ललिता पटेल व लंबी कूद में चांदनी सिंह पहले स्थान पर रही। पुरुष वर्ग के 400 मीटर रिले दौड़ में मां खंडवारी पीजी कालेज चंदौली व महिला वर्ग में महादेव पीजी कालेज विजेता रही। चार गुणे चार सौ मीटर रिले दौड़ के पुरुष वर्ग में हरिश्चंद पीजी कालेज की टीम अव्वल रही। समापन समारोह के मुख्य अतिथि जगदीश नारायण सिंह, चीफ ट्रस्टी ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। प्रो. राजीव शुक्ला विशिष्ट अतिथि थे। खेल आयोजन समिति के सचिव डा. संजीव कुमार सिंह व अरविंद सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डा. सीमांत प्रियदर्शी ने किया।

अंतर महाविद्यालय एथलेटिक प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी ● जागरण

कुश्ती दंगल कल

जासं, वाराणसी : साधो पहलवान की स्मृति में 10 नवंबर को दिन में कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया है। प्रधान रामदेव यादव के अनुसार इस दंगल का आयोजन अहिरान चमांव शिवपुर में किया गया है।

पगडंडी पर खेलकर बने स्टेट चैंपियन

- केडी सिंह बाबू सब जूनियर स्टेट हॉकी प्रतियोगिता का जीता खिताब
- मेघबरन अकादमी करमपुर की टीम ने किए 20 गोल, खाया दो गोल

जासं, वाराणसी : जिला मुख्यालय से करीब 40 किमी दूर एक गांव है करमपुर। आधिकारिक रूप से यह गांव गाजीपुर जनपद में पड़ता है। यहां के 14 वर्षीय बालकों ने हॉकी में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश की प्रतिष्ठित हॉकी प्रतियोगिता केडी सिंह बाबू स्टेट हॉकी प्रतियोगिता का खिताब जीता। यह प्रतियोगिता लखनऊ में तीन से पांच नवंबर तक हुई थी। खास बात यह है कि ग्रामीण परिवेश में पले-बढ़े इन सभी होनहार खिलाड़ियों ने हॉकी की शुरुआत पगडंडी पर खेल कर किया है। इन खिलाड़ियों ने बांदा को 7-0 से, गोरखपुर को 9-1 से और विवेक अकादमी वाराणसी को 4-1 से पराजित कर चैंपियनशिप पर कब्जा किया। टीम के कोच रमेश थे। अकादमी के संरक्षक तेज बहादुर सिंह और अध्यक्ष राधे मोहन सिंह (पूर्व सांसद) ने करमपुर में संवाददाताओं को बताया कि प्रदेश में यह पहला गांव है जहां आधुनिक नीला एस्ट्रो टर्फ लगा है। गांवों के बच्चों के पास विकल्प नहीं के बराबर होते हैं, ऐसे में उन्हें हॉकी खेलकर नौकरी पाने का बेहतर मौका उपलब्ध कराया जाता है। इस प्रयास का ही नतीजा है कि अकादमी से अब तक दर्जनों राष्ट्रीय खिलाड़ी निकल चुके हैं और अच्छी सरकारी नौकरियों में हैं। अकादमी में 20 से अधिक सब जूनियर और जूनियर वर्ग के बालक वर्ष भर निशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं।

विद्यापीठ की हॉकी टीम क्वार्टर फाइनल में

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ की पुरुष हॉकी टीम ने शुक्रवार को ग्वालियर में चल रही अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय हॉकी प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल दौर में प्रवेश कर लिया। कोच डा. सैयद दुलारे हुसैन ने बताया कि काशी विद्यापीठ ने पीएयू जालंधर को 4-0 से और मुंबई विश्वविद्यालय को 2-1 से पराजित किया है।

102350 विद्यार्थियों को मिलेगी यूजी व पीजी की उपाधि

जासं, वाराणसी : महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ दीक्षा समारोह में 53 मेधावियों को 55 गोल्ड मेडल मिलेगा। इसमें 37 छात्राएं व 18 छात्र शामिल है। इसके अलावा 102350 विद्यार्थियों को स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि मिलेगी। इसमें यूजी के 89524, पीजी के 12701 व पीएचडी में 125 शोधार्थी शामिल है। कुलपति प्रो. टीएन सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई विद्यापरिषद व कार्यपरिषद की बैठक में 12 नवंबर को आयोजित दीक्षा समारोह में मेधावियों को मेडल देने की हरी झंडी मिल गई। इस बार ओवर ऑल चैंपियन पूजा शर्मा को दो-दो गोल्ड मेडल मिलेगा। एमपीएड की पूजा ने स्नातकोत्तर स्तर पर सर्वोच्च अंक हासिल किया है। वहीं एजुकेशन में सुधा सिंह व नूर रूबा अंसारी का समान अंक होने के कारण समारोह में दोनों छात्राओं को गोल्ड मेडल देने का निर्णय लिया गया। दोनों छात्राओं को 1600 में 998 अंक मिले हैं। बैठक में कुलसचिव डा. एसएल मौर्य, संकायाध्यक्ष सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अब नैक के निदेशक होंगे मुख्य अतिथि : दीक्षा समारोह के मुख्य अतिथि अब नैक के निदेशक प्रो. एससी शर्मा होंगे। वहीं अध्यक्षता कुलाधिपति/राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी।

बीएचयू स्थित दृश्य कला संकाय में लगे प्रदर्शनी का अवलोकन करते विद्यार्थी ● जागरण

रचनात्मकता संग रोजगार को बढ़ावा देंगी ये कलाकृतियां

जासं, वाराणसी : आम जनजीवन की तमाम गतिविधियां जब दृश्य कला के माध्यम से समझाई जाएं तो, उनको देखने का नजरिया ही बदल जाता है।

ऐसा ही नजारा देखने को मिला काशी हिंदू विश्वविद्यालय के दृश्य कला संकाय स्थित अहिवासी कला वीथिका में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कला की प्रदर्शनी में। डा. जसमिंदर कौर ने अपने कलाकृतियों के बारे में बताया कि उन्होंने गुजरात और राजस्थान की परंपरागत बंधेज कला को लेकर एक अभिनव प्रयोग किया है। डिजाइनर श्याम शर्मा ने बेकार पड़ी हुईं सामग्रियों को थ्री डी पशु-पक्षियों का स्वरूप दिया है। इनमें उन्होंने खराब पेन, ताला-चाबी व रद्दी प्लास्टिक का यूज किया है जो कि एक तरह से इको-फ्रेंडली कलाकृतियों की ओर भी संकेत देता है। संस्कार वर्मा ने अपने व्यक्तिगत और सामाजिक अनुभवों को टेक्सटाईल पर उकेरा। उन्होंने मानव बीमारियों के उभरने जैसी घटनाओं को खास कलात्मकता के साथ कपड़ों पर प्रदर्शित किया। प्रदर्शनी के शुभारंभ पर छात्र-छात्राओं संग डा. मनीष अरोड़ा, सुरेश के नायर उपस्थित रहे।